सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 162 | जौनपुर, शुक्रवार, 08 मार्च 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

बीजेपी नहीं चाहती कि चुनावी बॉण्ड खरीदने वालों के नाम उजागर हों - मल्लिकार्जुन खरगे

भोपाल, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी नहीं चाहती कि चुनावी बॉण्ड खरीदने वालों के नाम सामने आएं। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत मध्य प्रदेश के बदनावर में एक रैली में, उन्होंने उन नेताओं को अपने पाले में शामिल करने के लिए भाजपा पर कटाक्ष किया, जिन्हें वह अन्य दलों में रहते समय तब दागी कहती थी। उन्होंने कहा, आरबीआई भाजपा की बात सुन रहा है और उन लोगों के नाम का खुलासा नहीं कर रहा जिन्हें गुप्त रूप से चुनावी बॉण्ड जारी किए गए थे। खरगे ने जुबान फिसलने की वजह से भारतीय स्टेट बैंक की जगह रिजर्व बैंक का नाम लिया। खरगे ने कहा कि बैंक उन लोगों के नाम का खुलासा नहीं करना चाहता जिन्होंने प्रवर्तन निदेशालय से क्लीन चिट पाने के लिए पैसे दिए। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अपने 15 फरवरी के फैसले में बैंक को खरीदारों के नाम का खुलासा करने का निर्देश दिया था लेकिन बैंक कह रहा है कि उसके पास डाटा तैयार नहीं है। न्यायालय ने इस फैसले में राजनीतिक चंदा देने के लिए चुनावी बॉण्ड योजना को रद्द कर दिया था। खरगे ने आगे कहा, आप नाम क्यों छिपा रहे हैं?.... इसका मतलब है कि इन सभी लोगों ने चोरी करके चंदा इकट्ठा किया है और वे इस लूट को जारी रखना चाहते हैं। एसबीआई ने सोमवार को शीर्ष अदालत का रुख कर राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए चुनावी बॉण्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक की मोहलत मांगी। शीर्ष अदालत ने एसबीआई को छह मार्च तक चुनाव आयोग को विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

गोरखपुर में सीएम योगी देंगे एनसीसी ट्रेनिंग एकेडमी की सौगात, 10 एकड़ में होगा निर्माण

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर को एक और बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। सीएम, शनिवार को गोरखपुर में एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) की ट्रेनिंग एकेडमी का शिलान्यास करेंगे। इससे पूर्वांचल के युवाओं के लिए फौज में जाने के अवसर बढ़ेंगे। एनसीसी एकेडमी का निर्माण सिक्टौर में 10 एकड़ भूमि पर किया जाएगा और इसके निर्माण पर 47.88 करोड़ रुपये की लागत आएगी। एकेडमी में प्रशासनिक भवन, 150 छात्रों की क्षमता के बालक छात्रावास, 100 छात्राओं की क्षमता के बालिका छात्रावास, डायनिंग हाल, टायलेट ब्लाक, विद्युत स्टेशन, आउटडोर मल्टीएक्टिविटिज एरिया, 50 मीटर के आउटडोर शूटिंग रेंज, ड्रिल प्रैक्टिस पथ, फुटबाल फील्ड, आप्टिकल कोर्स एवं पुशप बीम आदि की सुविधा होगी।

इसके अलावा 7.17 करोड़ रुपये की लागत से चहारदीवारी के निर्माण, सभी किनारों पर संतरी पोस्ट, गार्ड रूम, हाईमास्ट फ्लड लाइट के कार्य कराए जाएंगे। एकता और अनुशासन आदर्श वाक्य वाले एनसीसी ग्रुप गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग के 11 जिलों का प्रतिनिधित्व करता है।

संक्षिप्त खबरें

संजय सिंह और मनीष सिसोदिया की बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की अदालत ने गुरुवार को कथित उत्पाद शुल्क घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और एए नेता संजय सिंह की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी। वकील फारुख खान ने बताया कि कोर्ट ने उनकी (आप नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की) न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। मामले में अगली सुनवाई 19 मार्च को होनी है। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने नेताओं की हिरासत अवधि तब बढ़ा दी जब उन्हें पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी आगे की न्यायिक हिरासत की मांग करते हुए कहा कि मामला महत्वपूर्ण चरण में है और अगर रिहा किया गया तो आरोपी जांच में बाधा डाल सकते हैं। सीबीआई ने पहले यह आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया था कि दिल्ली की उत्पाद शुल्क नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं, लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस शुल्क माफ कर दिया गया या कम कर दिया गया और एल–1 लाइसेंस को बढ़ा दिया गया।

डीयू को बम से उड़ाने की धमकी अफवाह निकली

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के रामलाल आनंद कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, लेकिन कुछ ही घंटों के बाद यह मात्र अफवाह निकली। पुलिस ने यह जानकारी दी। धमकी वाला संदेश कॉलेज के एक कर्मचारी के मोबाइल फोन पर आया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्हें ऐसा शक है कि किसी शरारती तत्व ने एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से धमकी दी।उन्होंने कहा कि पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर सकती है। उन्होंने बताया ने कहा कि कॉलेज परिसर में तीन घंटे तक तलाशी की गई। जिसके बाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह धमकी अफवाह थी। कर्मचारी को सुबह 9:34 बजे व्हाट्सऐप पर धमकी वाला संदेश मिला। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के तुरंत बाद ही पुलिस की टीम एक एम्बुलेंस, बम निरोधक दस्ते और बम का पता लगाने वाले दल के साथ कॉलेज पहुंची और उसके बाद छात्रों और कर्मचारियों को वहां से बाहर निकाला गया। कॉलेज के प्रधानाचार्य राकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि पुलिस द्वारा तलाशी पूरी करने और परिसर को सुरक्षित घोषित करने के बाद नियमित कामकाज फिर शुरू हो गया।

केजरीवाल सरकार की उपलब्धियां बताकर दिल्ली में चुनाव लड़ेगी आप

नई दिल्ली, एजेसी। लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली में उम्मीदवारों की घोषणा के बाद, आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा दोनों ने अभियान के लिए रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। दोनों दलों की ओर से विभिन्न मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। भाजपा ने जहां अपने चार सांसदों को बदल दिया है। वहीं, आप कांग्रेस से गठबंधन कर चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है। आप अब मौजूदा सांसदों को हटाने के भाजपा के फैसले को उजागर करने की कोशिश कर रही है। आप दावा कर रही है कि इन सांसदों ने अच्छा काम नहीं किया इसलिए भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया। इन सब के बीच आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में चुनाव अभियान की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए पार्टी के चार उम्मीदवारों से मुलाकात की थी। पार्टी की योजना इस बात को उजागर करने की है कि लोकसभा में दिल्ली के आप सांसदों की उपस्थिति राज्य सरकार के सुचारू कामकाज के लिए आवश्यक है और यह जांचेगी कि इसका लाभ दिल्ली के लोगों को मिलता रहे। दिल्ली पुलिस के केंद्र के अधीन आने के चलते आम आदमी पार्टी राजधानी में बढ़ते अपराध का मुद्दा उठाने की योजना बना रही है। सोमनाथ भारती, कुलदीप कुमार और सहीराम पहलवान के लिए एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया था।

केंद्र में आई हमारी सरकार तो युवाओं को देंगे 30 लाख सरकारी नौकरियां - राहुल गांधी

राजस्थान, एजेंसी। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा राजस्थान में प्रवेश कर चुकी है। बांसवाड़ा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि हमारे घोषणापत्र में, हमने एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी प्रदान की है। उन्होंने ऐलान किया कि केंद्र में सरकार आई तो हम 30 लाख सरकारी नौकरियां देंगे। उन्होंने कहा कि दलित, आदिवासी, ओबीसी और अल्पसंख्यक भारत की आबादी का लगभग 90: हिस्सा हैं। लेकिन, अगर संस्थाओं और बजट को देखें तो इन लोगों की कोई भागीदारी नहीं है। राष्ट्रपति एक आदिवासी हैं, और जब राम मंदिर का उद्घाटन हुआ, तो क्या आपने उनका चेहरा टेलीविजन पर देखा था? नहीं, क्योंकि वह एक आदिवासी है। राहुल गांधी ने दावा किया कि उन्हें संदेश दिया गया कि आप राष्ट्रपति हो सकते हैं लेकिन आपको राम मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उद्घाटन समारोह में कोई गरीब, बेरोजगार, किसान या मजदूर नहीं था। भारत दो हैं, एक 5: का और एक शेष का। इस दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा गरीबों का ख्याल रखा, उनके लिए काम किया। बाबा साहेब आंबेडकर के नेतृत्व में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश को संविधान दिया। आज इसी संविधान की ताकत से जनता को सहूलियत मिल रही है। कांग्रेस के नेताओं ने देश के लिए क्या–क्या काम किए हैं, हम गर्व से बताते हैं। लेकिन..मोदी सरकार ने देश के लिए क्या किया है, भाजपा के लोग इस बारे में कभी बात नहीं करते। भाजपा के लोग सिर्फ आदिवासियों और दलितों पर अत्याचार करते हैं। क्या इसी दिन के लिए मोदी जी को सत्ता पर बैठाया गया था? इससे पहले कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा था कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो सबसे पहले जाति आधारित जनगणना कराई जाएगी और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी दी जाएगी।आदिवासी बहुल धार जिले में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह नहीं चाहती कि चुनावी बॉण्ड खरीदने वालों के नाम उजागर हों।

मोदी सरकार का अगला प्रयास भारत को उच्च आय श्रेणी में लाना - किरेन रीजीजू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि अपने तीसरे कार्यकाल में नरेन्द्र मोदी सरकार का ध्यान भारत को उच्च आय श्रेणी में लाने पर होगा ताकि देश को दुनिया के विकसित राष्ट्रों में गिना जाये। रीजीजू ने कहा कि भारत को दुनिया के विकसित देशों में गिने जाने के लिए प्रति व्यक्ति आय 18 हजार अमेरिकी डॉलर होने की आवश्यकता है और मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में देश को उच्च आय वर्ग वाले देशों में लाने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि कई मोर्चों पर पिछड़ने के बावजूद प्रधानमंत्री के आक्रामक और प्रेरक नेतृत्व ने भारत को वैश्विक राष्ट्रों की मंडली में शामिल होने के एक और कदम नजदीक पहुंचा दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने कहा, पूरी दुनिया भारत को एक अगुवा के रूप में देखती है, भले ही हम उच्च आय वाले देश नहीं हैं लेकिन हमारा दर्जा काफी हद तक बढ़ गया है। रीजीजू ने शौचालय, लोगों के लिए बैंक खाते, खाद्य सुरक्षा जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करने के लिए पिछली कांग्रेस सरकारों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये सभी योजनाएं अब मोदी सरकार द्वारा प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा, एक तरफ भारत का कद वैश्विक समुदाय में बढ़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ लोगों की बुनियादी जरूरतों को उनके दरवाजे पर पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा, कभी–कभी मैं सोचता हूं कि अगर हमारे पास 30 या 40 साल पहले नरेन्द्र मोदी जैसा कोई प्रधानमंत्री होता तो हम तीन दशक पहले लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी कर पाते और हम आज कुछ और बात कर रहे होते। लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी होने के बाद ही हम जीवन की गुणवत्ता जैसे मुद्दों पर बात कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने दस वर्षों में वो काम किया, जो पिछले 60 वर्षों में कोई नहीं कर सका, खासकर कांग्रेस। पूरे देश में बैंकिंग सुविधा, 4जी नेटवर्क, भोजन, बैंक खाते, एलपीजी गैस, आपके घर पर लाइट बल्ब, सड़कें, राजमार्ग जैसी चीजें आम लोगों के ये सभी सपने अब हकीकत हैं।

पीएम मोदी 28 किमी की यात्रा करके साधेंगे पूर्वांचल, 200 कार्यकर्ताओं मिलकर करेंगे चुनावी रणनीति तय

नई दिल्ली, एजेसी। तीसरी बार लोकसभा प्रत्याशी घोषित होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नौ मार्च को दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे को भव्य बनाने के लिए बीजेपी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जुट गए है। एयरपोर्ट से लेकर बरेका गेस्ट हाऊस सड़क मार्ग पर पुष्प वर्षा और शंखनाद के जरिए स्वागत की तैयारी किया जा रहा है। नौ मार्च को पीएम मोदी कलकत्ता से सीधे वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचेंगे। पूरे शहर में स्वागत द्वार बनाने की तैयारी चल रही है। प्रधानमंत्री के काशी दौरे के कई राजनैतिक मायने भी है। लोकसभा चुनाव के पहले नरेंद्र मोदी काशी की जनता से रोड शो के माध्यम से रूबरू होंगे। यही से वो पूर्वांचल के 20 से ज्यादा जिलों को साधने की तैयारी करेंगे। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की सूची तैयार कर रही है। ये सभी लोग अगले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चुनावी गुरु मंत्र लेंगे। महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने बताया कि एयरपोर्ट से सीधे सड़क मार्ग से बरेका गेस्ट हाउस जाएंगे। काशी की जनता और कार्यकर्ता उनका स्वागत जगह जगह पुष्प वर्षा, शंखनाद और डमरूओ की ध्वनि से करेंगे। 10 से ज्यादा स्वागत प्वॉइंट बनाए जा रहे हैं। अगले दिन उनका कार्यक्रम आजमगढ़ का है। उससे पहले काशी में वो क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से वार्ता कर सकते है। सूची अभी फाइनल बनी नहीं है। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां काशी पहुंच चुकी है।

राजनाथ सिंह ने प्रेस की स्वतंत्रता के मौलिक महत्व पर जोर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम के दौरान भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर प्रेस की स्वतंत्रता के मौलिक महत्व पर जोर दिया। देश के इतिहास पर विचार करते हुए उन्होंने टिप्पणी की कि आपातकाल की खेदजनक अवधि को छोड़कर, प्रेस पर कोई महत्वपूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। रक्षा मंत्री ने एनडीटीवी डिफेंस समिट में अपने संबोधन में कहा, मीडिया को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि यह सरकार और लोगों के बीच एक कड़ी के रूप में काम करता है। रक्षा मंत्री ने कहा ऐसे लोग ये बात भूल जाते हैं, कि भारत की संस्कृति के ध्वजवाहक प्रभु श्री राम हैं, जो नैतिकता और आध्यात्मिकता के प्रतीक तो हैं ही, लेकिन साथ ही साथ भगवान राम का साम्राज्य भी "अ–योध्य" है, उनका बाण भी रामबाण है, जो अमोघ है। भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम तो हैं ही, लेकिन इसके साथ ही वो इस धरती पर अधर्म के नाशक भी हैं। वो शस्त्र और शास्त्र ज्ञान, दोनों के धारक हैं।

कांग्रेस ने बाबा साहेब का किया अपमान - बिना भेदभाव के सभी समाज को बढ़ाया आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मिशन 370 के तहत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज उत्तर प्रदेश के आगरा में भाजपा अनुसूचित मोर्चा द्वारा आयोजित अनुसूचित जाति महासम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लबें समय तक कांग्रेस पार्टी ने इस देश का शासन चलाया है। उन्होंने अपने शासनकाल में हमारे दलित भाइयों को, अनुसूचित जाति के भाइयों को कभी भी मानवता और इंसानियत की दृष्टि से नहीं देखा। जब उन्होंने देखा तो वोटबैंक की राजनीति को ध्यान में रखकर देखा। लेकिन भाजपा वैचारिक पार्टी है। नड्डा ने कहा कि जब हम सत्ता में भी नहीं थे, तब भी हमने एकात्म मानववाद की दृष्टि से ये कहा था कि जब तक समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का भला नहीं होगा, तब तक देश तरक्की नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि समाज में दलित, शोषित, वंचित, पीड़ित जिसको लोगों ने वोटबैंक की राजनीति से देखने का उपकरण समझ है, जब तक उसे हम प्रथम पंक्ति में लाकर खड़ा नहीं करेंगे, बराबरी का हाथ नहीं बढ़ाएंगे, तब तक समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। ये भाजपा और भारतीय जनसंघ ने कहा था। इसीलिए कांग्रेस ने नहीं बल्कि भाजपा ने अंत्योदय का कार्यक्रम चलाया। उन्होंने हमला बोलते हुए कहा कि उस समय कांग्रेस बोलती थी कि ये अंत्योदय क्या होता है? उसी समय हमने कहा था कि जब अंत का उदय होगा, तभी भारत का उदय होगा, सबकी चिंता होगी, सबके प्रयास से चिंता होगी, जब सबका विश्वास मिल पाएगा, और जब सब लोग मिलकर साथ आएंगे तभी समाज का विकास होगा। तभी भारतीय समाज आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने उसी को आगे बढ़ाते हुए कहा – सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास। जब जेपी नड्डा ने कहा कि पंचतीर्थ की याद कांग्रेस को क्यों नहीं आई?

संपादकीय

आत्मनिर्भर होना विकसित भारत की ओर पहला कदम

आत्मनिर्भर और विकसित। महामारी के बाद से राष्ट्रीय आख्यानों पर निर्मित किसी भी शब्द क्लाउड में भारत के इन दो क्वालीफायरों को प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाने की संभावना है। वास्तव में, आत्मनिर्भर भारत का विचार विकसित भारत के दृष्टिकोण से बहुत निकटता से जुड़ा हुआ है। एक विकसित देश की संकल्पना को अमृत काल के कैनवास पर चित्रित किया जा सकता है – 2022 से 2047 तक की 25 साल की अवधि, जब भारत का आधुनिक राष्ट्र–राज्य 100 वर्षों के लिए स्वतंत्र होगा – कई आयामों के साथ। एक आत्मनिर्भर भारत इनमें से प्रत्येक की नींव को मजबूत करता है। विकसित भारत के बारे में सोचने का सबसे आम तरीका आर्थिक है, विश्व बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने विकसित देश का लेबल लगाने के लिए प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय सीमा को पार करने का निर्देश दिया है। एक मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए आत्मनिर्भरता की आकांक्षा के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता।

इतिहास में पीछे मुड़कर देखने पर, उन देशों से एक निश्चित सबक लिया जा सकता है जो विशिष्ट प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के आधार पर विकसित हुए। संयुक्त राज्य अमेरिका का एक अभिनव, रचनात्मक विनाश–नेतृत्व वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उदय या जापान का दुनिया के इलेक्ट्रॉनिक्स पावरहाउस के रूप में उदय, घरेलू, संदर्भ के लिए उपयुक्त आर्थिक और औद्योगिक नीतियों का परिणाम था। विशिष्ट क्षेत्रों में ताकत और वैश्विक व्यापार प्रवाह को आकार देने की क्षमता ने इन देशों के आर्थिक उत्थान को रेखांकित किया। ऐसी दुनिया में जहां किसी विशेष आर्थिक विशेषता को हथियार बनाया जा सकता है, कौशल और क्षमताओं को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है जिससे अस्थिरता कम हो और निश्चितता बढ़े। हम वैश्विक कार्यस्थल में रहना जारी रखेंगे और हम अंदर की ओर पीछे नहीं हट रहे हैं। वैश्विक तकनीकी प्रगति के साथ संरेखित उच्च–क्रम क्षमताओं की सक्रिय खोज, जो डिजाइनिंग, टिंकरिंग और निर्माण की संस्कृति को बढ़ावा देती है, आत्मनिर्भरता की धारणा का अभिन्न अंग है।

विकसित भारत की कल्पना करने का एक और तरीका एक निश्चित कवरेज और कठिन बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता का सपना देखना है, जो आमतौर पर विकसित देशों में जीवन की आसानी और व्यापार करने में आसानी से जुड़ा होता है। विशाल समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में एक विशाल भूभाग में, बुनियादी ढाँचे की आवश्यकताएँ विशाल, विविध और मल्टीमॉडल हैं।

देश को कनेक्टिविटी, बड़े पैमाने पर परिवहन और लॉजिस्टिक्स के लिए कई प्रौद्योगिकियों तक एक साथ पहुंच और प्रगति की आवश्यकता है। यह हमारे लिए कई क्षेत्रों में स्वदेशी समाधान और प्रौद्योगिकी स्टैक तैयार करने का अवसर प्रस्तुत करता है। भारत द्वारा प्रस्तावित पैमाने पर विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में मूल्य श्रृंखला दक्षताओं का निर्माण एक अद्वितीय बाजार अवसर भी है।

वास्तव में, वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में यह दृष्टिकोण पहले ही बहुत अच्छा काम कर चुका है। जनसंख्या–पैमाने, प्रौद्योगिकी–संचालित नवाचार ने एक दशक से भी कम समय में खुदरा भुगतान वास्तुकला और परिदृश्य को बदल दिया है। आत्मनिर्भरता का यह पाठ बुनियादी ढांचे और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों के लिए एक अच्छा संदर्भ है। मानव पूंजी के क्षेत्र में, भारत के पैमाने को विशिष्ट परिणामों और बाधाओं को दूर करने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल में कस्टम दृष्टिकोण की आवश्यकता है। कोविड–19 टीकों के शोध, निर्माण और प्रशासन में हमारा अनुभव दर्शाता है कि आपात स्थिति से निपटने के लिए क्षमताओं और प्रक्रियाओं के स्थानीयकरण का कोई विकल्प नहीं है।

चाहे आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए एकल–भुगतानकर्ता स्वास्थ्य देखभाल का सुरक्षा जाल बनाना हो या वास्तविक दुनिया के सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने वाली शैक्षिक नीति तैयार करना हो, सबसे अच्छा तरीका यह है कि दुनिया भर में जो काम करता है उसे अवशोषित किया जाए लेकिन हमारी आवश्यकताओं के लिए अनुभवों को तैयार किया जाए। जैसे–जैसे हमारे आस–पास की दुनिया तेजी से बदल रही है, समाज और कल के कार्यबल को इतिहास और उदाहरणों के बोझ के बिना कल्पना और डिजाइन करना होगा।

बहुत महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें विचार और प्रेरणा की आत्मनिर्भरता भी है, जो यह सुनिश्चित करती है कि हमारे निर्णयों की आधारशिला हमारे सामाजिक–सांस्कृतिक परिवेश और मुहावरों की मजबूत नींव पर आधारित है। विकसित भारत हमारा अपना मील का पत्थर और यात्रा है। जैसा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपनी पुस्तक व्हाई भारत मैटर्स में लिखा है, ष्भारत की नियति दूसरों के भविष्य का हिस्सा बनने से कहीं बड़ी है। हमारे सभ्यतागत लोकाचार की समृद्धि इस यात्रा में शक्ति का स्रोत होनी चाहिए। लंबे समय तक, हमारे राष्ट्रीय प्रवचन में षविकसित देशष वाक्यांश का मतलब लगभग हमेशा भौतिक आराम और उपभोक्तावाद था।

सड़क जाम, मार्ग परिवर्तन से जनता परेशान-जिम्मेदार कौन सरकार या किसान?

रानी

किसान आंदोलन–2 अभी जारी है। इसका सबसे अधिक प्रभाव हरियाणा व पंजाब से लगती हुई शंभू और खनौरी नाम की सीमाओं के सीमित क्षेत्रों में है। हरियाणा व पंजाब से लगती इन्हीं दो सीमाओं पर गत 13 फरवरी से अनेक किसान संगठनों के नेता व सदस्य दिल्ली कूच करने के उद्देश्य से डेरा जमाये हुये हैं। किसान, दो वर्ष पूर्व हुये आंदोलन के समय सरकार द्वारा मानी गयी उनकी मांगों को अब तक पूरा न किये जाने के चलते यानी सरकार की वादा खिलाफी की वजह से दूसरी बार आंदोलन करने के लिये मजबूर हुये हैं। सरकार ने किसानों को दिल्ली आने से रोकने के लिये इसबार शंभू व खनौरी से लेकर दिल्ली से लगती चारों ओर की सीमाओं पर कड़ी नाकेबंदी की है। शंभू व खनौरी सीमाओं पर तो छः लेयर तक के अवरोधक लगाये गए हैं। इनमें कंटेनर्स,सीमेंटेड ब्लॉक्स,सीमेंट में ढली मोटी कीलें,कंटीले तार,लोहे की चादरें, तरह तरह के वाहन व मशीनें,आर ए एफ,अर्धसैनिक बल,आंसू गैस फेंकने वाले यंत्र,ड्रोन,पानी की तेज बौछार फेंकने वाली मशीनें, बुलडोजर, पोकलेन,जेसी बी आदि और भी अनेक चीजों का सहारा लिया गया है। इन सीमाओं पर सरकार द्वारा लगाये गये अवरोध शायद भारत की चीन व पाकिस्तान से लगती सीमाओं से भी अधिक सुदृढ़ हैं। जिन्हें विदेशियों या घुसपैठियों को नहीं बल्कि अपने ही देश के किसानों को रोकने के लिये खड़ा किया गया है। दूसरी ओर किसान हैं जो शंभू व खनौरी की सीमाओं पर पंजाब की हद में डेरा डाले हुए हैं। किसानों ने केवल इन्हीं बॉर्डर्स पर सड़कों के किनारे अपने तंबू लगा रखे हैं व ट्रैक्टर ट्रॉली आदि खड़ी कर रखी है। यही ट्रैक्टर ट्रॉली किसानों के घर, गोदाम तथा छाया सर्दी धूप बारिश से बचाओ आदि का काम करती है। किसानों ने आंदोलन के शुरुआत में शंभू व खनौरी सीमाओं से हरियाणा में प्रवेश की कोशिश की परन्तु सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक कर किसानों को हरियाणा में प्रवेश करते हुये दिल्ली पहुँचने से रोक दिया। इसी बीच 21 फरवरी को खनौरी बॉर्डर पर पुलिस और किसानों के बीच झड़प हुई थी जिसमें बठिंडा के युवा किसान शुभकरण सिंह की पुलिस की गोली लगने से मौत हो गई थी। किसान हालांकि अभी भी शंभू व खनौरी सीमाओं पर डेरा जमाये हुये हैं परन्तु उनकी तरफ से यातायात बाधित करने का न तो कोई प्रयास किया जा रहा है न ही उनकी मंशा जनता को परेशानी में डालने की है। जहां तक किसानों के दिल्ली कूच का प्रश्न है तो किसान कभी भी लुक छुप कर या सत्ता अथवा प्रशासन को धोखा देकर दिल्ली नहीं पहुँचते बल्कि दिल्ली चलो का नारा देकर पूर्व घोषित कार्यक्रमानुसार ही मार्च करते हैं। परन्तु सरकार ने गत 12 मार्च से ही शंभू व खनौरी सीमाओं के अतिरिक्त दिल्ली – हरियाणा –हिमाचल – चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग को भी पूरी तरह से अवरुद्ध कर रखा है। जगह जगह मार्ग परिवर्तन किया जा रहा है। अकारण ही गांव व कस्बों से होकर ट्रैफिक मार्ग परिवर्तित किये जा रहे हैं। 12 मार्च से ही चंडीगढ़– अंबाला मार्ग पूरी तरह बाधित है जबकि अंबाला–चंडीगढ़ सीमा यानी सद्दोपुर–झड़मड़ी पर किसानों का किसी भी तरह का न तो जमावड़ा है न ही किसानों ने फिलहाल इस मार्ग से दिल्ली जाने की कोई घोषणा की है। इसके बावजूद चंडीगढ़– अंबाला –दिल्ली मार्ग को बंद करने या परिवर्तित करने का आखिर क्या औचित्य है? किसान आंदोलन के नाम पर मार्ग बदले जाने से जनता बेहद परेशान है। चंडीगढ़ दिल्ली की यात्रा जो मात्र चार घंटे में तय होती थी अब 12–14 घंटों में तय हो रही है। कारें बसें आदि कस्बों व गांवों से होकर गुजरने से तंग रास्तों में जाम लगा रहता है। यात्रियों के साथ साथ उन गांव के लोगों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है जिन्हें 24 घंटे जाम और यातायात प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। रूट बदलने के कारण जिन जिन कस्बों व गांव से ट्रैफिक मोड़ा गया है उन रास्तों के सैकड़ों मेन होल के ढक्कन टूट गए हैं। किसान आंदोलन के कारण जहाँ तमाम बसों का परिचालन बंद कर दिया गया है वहीं तमाम बसों के रूट भी बदले गये हैं। बसों का कोई टाइम टेबल नहीं रह गया है। इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को घंटों बसों का इंतजार करना पड़ रहा है। परन्तु अब सुखद खबर यह है कि अंबाला–चंडीगढ़ हाईवे को पुलिस प्रशासन द्वारा आंशिक रूप से खोला जा रहा है। खबरों के अनुसार छः लेन के इस रास्ते में अभी केवल दोनों दिशाओं से दिल्ली–चंडीगढ़ मार्ग की केवल एक–एक लेन ही खोली जा रही है। यानी सद्दोपुर–झड़मड़ी सीमा पर राजमार्ग की एक लेन खुलने के बावजूद अभी भी जाम की स्थिति बनी रहेगी। सवाल यह है कि किसान आंदोलन के नाम पर या इससे भयभीत होकर सरकार व प्रशासन द्वारा 20 दिनों से भी अधिक समय तक जनता को क्यों परेशानी में डाला गया? क्या सरकार को भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में लोगों की आवाज खासकर श्अन्नदाताओं श की आवाज को कुचलने का सबसे आसान रास्ता यही नजर आया कि इंटरनेट बंद कर दिये जाएँ,रास्ते बंद कर दिये जायें,मार्ग परिवर्तित किये जायें,किसान प्रदर्शनकारियों के साथ दुश्मनों व घुसपैठियों जैसा व्यवहार किया जाये,उनपर लाठियां गोलियां आंसू गैस व पानी की तेज बौछारें इस्तेमाल की जायें ?

सामाजिक सुधार की एक गाथा को उजागर

रवि

सभ्यतागत इतिहास में नदियों की केंद्रीयता ने अक्सर उन्हें एक जादूगर की भूमिका प्रदान की है – पोषण, पुनर्जीवन के साथ–साथ विनाश की शक्तियों के साथ। हुगली के मामले में, नदी ने समय के साथ गांवों, जनपदों, कस्बों और भविष्य के महानगरों का पोषण किया। लेकिन समुद्री व्यापार में चढ़ने और उतरने और उपजाऊ तटबंधों के साथ बसने के लिए नदी को नियंत्रित करने की आवश्यकता थी, जिसके परिणामस्वरूप भूमि और पानी के बीच घाटों का सीमांत, भौतिक अंतर पैदा हुआ। ये नदी की ओर जाने वाली गादयुक्त सीढ़ियाँ थीं जो तटीय बस्तियों के साथ स्थानीय भाषा में जुड़ाव का काम करती थीं। कलकत्ता के घाटों का इतिहास सुधार का जश्न मनाने वाले इतिहास का एक संग्रह रहा है। विद्रोही संभावनाओं की अधिकता के साथ, घाटों ने ऐतिहासिक रूप से असंख्य रूपों में सामाजिक सुधार की एक गाथा को उजागर किया है क्योंकि पानी ने कट्टरपंथी मान्यताओं, समकालिक परंपराओं, असंतुष्ट प्रथाओं, नैतिक संशोधनों और ऐतिहासिक क्षमा को अपनाकर पापों, आत्माओं और ठहराव से छुटकारा पाया है। 1770 में बंगाल के महान अकाल के बाद निचले गंगा के मैदानी इलाकों में बसने वालों के जीवन पर भारी असर पड़ा, जिससे एक अमीर नमक व्यापारी हाजी मुहम्मद मोहसिन जैसे कई लोगों को लंगरखाने खोलने और जकात (भिक्षा) के माध्यम से धर्मार्थ उद्यम शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा।) चिनसुराह में। मोहसिन एंडोमेंट फंड ने हुगली घाट के पास वर्तमान हुगली इमामबाड़ा और मोहसिन कॉलेज के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई, मुस्लिम समुदाय के लिए शैक्षिक और अन्य सुधारों को प्रशस्त किया। इसके अलावा, घाट रोजमर्रा के उपयोग के स्थान के रूप में काम करते थे – नहाने, कपड़े धोने, पानी जुटाने और शहर के मृतकों को सेवाएं देने के लिए। कलकत्ता के उत्तर में, बारानगर में सतिदहा घाट सभी समय के सबसे बुरे सामाजिक रीति–रिवाजों में से एक की याद दिलाता है। शमशान या जलाने वाले घाट अंतिम संस्कार, दुःख, मातम और सतिदाह जैसे महाकाव्य बलिदान करने के स्थल थे। बाद में राजा राम मोहन राय, लॉर्ड विलियम बेंटिक, विलियम कैरी, जोशुआ मार्शमैन और विलियम वार्ड जैसे सामाजिक सुधारवादियों के अथक प्रयासों के बाद, 1829 के बंगाल सती विनियमन द्वारा इस कष्टप्रद प्रथा को रद्द कर दिया गया। दिलचस्प बात यह है कि सुधार इन घाटों से पैदा हुआ था क्योंकि कानूनी प्रतिबंध लगाए जाने से पहले वे सती सेंसर, विधवाओं के लिए उत्पीड़न और निगरानी समूहों के गठन के निदान स्थल बन गए थे। इसके तुरंत बाद, मध्य कलकत्ता में थोड़ा नीचे की ओर, घाटों में 1838 में एक और आकर्षक सांप्रदायिक संशोधन देखा गया। जनबाजार के धनी जमींदार, बाबू राज चंद्र दास की मृत्यु के बाद, रानी रश्मोनी ने अपने पति की याद में बाबूघाट का निर्माण किया – एक दिलचस्प, साहसिक बयान जातिगत दोष रेखाओं से विभाजित जनसंख्या में शूद्र विधवा। जबकि अंग्रेजों ने कैबर्टा जाति के गरीब मछुआरों, नदी में नाव चलाने वाले नावों और नदी के किनारे की संपत्तियों पर कर लगाकर अपने लाभ के उद्यम जारी रखे, वहीं रश्मोनी ने घुसुरी से मेटियाब्रुज के बीच नदी की भूमि पर निजी संपत्ति के अधिकार हासिल करके असहमति जताई। एक निचली जाति की महिला द्वारा नदी भूमि के संयोजन की इस तरह की कवायद के परिणामस्वरूप दक्षिणेश्वर काली मंदिर की स्थापना हुई और अहिरीटोला, निमताला घाट का निर्माण और नवीनीकरण हुआ, जिससे घाटों को गरीबों, निचली जातियों और महिलाओं के लिए शहर के सार्वजनिक स्थलों के रूप में कार्य करने की अनुमति मिली। नगरपालिका सुधारों के दृष्टिकोण से, निमतला ने औपनिवेशिक शहर के लिए स्वच्छता सिंक के रूप में कार्य किया, जबकि कई अन्य ने सीवरेज नाली और जल–आपूर्ति पंपिंग स्टेशनों के आउटलेट बिंदु के रूप में कार्य किया। 1905 में कर्जन के बंगाल विभाजन के मद्देनजर, टैगोर ने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच राखी उत्सव मनाने का आह्वान किया। हुगली के घाटों पर पवित्र स्नान के बाद एकता के प्रतीक के रूप में पवित्र धागा बांधते हुए, कलकत्ता की गलियों में एक जुलूस निकाला गया, जो स्वदेशी प्रतिरोध का एक प्रतिष्ठित बयान था। इस प्रकार भूमि–जल के ये मोड़ सामाजिक पदानुक्रमों को समतल करने वाले और जनता द्वारा अपने शहर पर दावा करने के लिए एकजुट होने के एक मूक आंदोलन के मुखबिर रहे हैं। मेगा रिवरफ्रंट परियोजनाओं के युग में, सुधार के अग्रणी स्थलों के रूप में उनकी प्रासंगिकता और भी गहरी हो गई है जो नदी के पारिस्थितिक स्थानों को पूंजीवादी बाड़ों के चंगुल से बचाने का वादा करती है।

पूर्वी मोर्चे पर सामने आ रहा शानदार खेल

आदित्य

म्यांमार के साथ 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा पर फ्री मूवमेंट रिजीम या एफएमआर को खत्म करने के साथ–साथ कड़ी निगरानी के लिए बाड़ लगाने का भारत का फैसला पूर्वोत्तर–विशेष रूप से नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में सुर्खियां बटोर रहा है। इससे पहले, केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर 100 किलोमीटर चौड़ी बेल्ट का भी प्रस्ताव रखा था, जहां ढांचागत विकास परियोजनाओं को शुरू करने के लिए किसी पर्यावरणीय मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी। इसमें कोई संदेह नहीं है, ये सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और इनका लक्ष्य भारत की सीमा को सुरक्षित करना एक ही है। निस्संदेह, ऐसे लोग हैं जो इन नीतिगत प्रस्तावों को अतिश्योक्ति के रूप में देखते हैं, और इस चिंता से निपटने के बेहतर तरीके हैं। हालांकि, इस मामले में जितना दिखता है उससे कहीं अधिक है। जैसा कि कई जानकार पर्यवेक्षकों ने बताया है, इन कदमों का मणिपुर में आबादी के एक वर्ग सहित किसी भी संबंधित राज्य की मांगों से कोई लेना–देना नहीं है, जैसे कि मिजोरम और नागालैंड जैसे राज्यों में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन होंगे। केंद्र सरकार को अपना रुख बदलने के लिए मजबूर करने में समान रूप से कम प्रभाव पड़ता है। जैसा कि पोलिटिया रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष, संजय पुलिपाका ने लिखा है, ये कदम देश में चल रही मौजूदा उथल–पुथल के मद्देनजर म्यांमार में चीन के प्रभाव के गहरे प्रवेश पर भारत की बेचैनी से प्रेरित हैं। यह भयावह आशंका भारत के लिए चिंताजनक हो गई जब तीन चीनी समर्थक जातीय सेनाओं के गठबंधन ने, जिसे थ्री ब्रदरहुड एलायंस के रूप में जाना जाता है, 27 अक्टूबर, 2023 को एक ऐतिहासिक उलटफेर में म्यांमार–चीन सीमा के साथ कई प्रमुख व्यापारिक शहरों पर नियंत्रण कर लिया। म्यांमार जुंटा–एक तूफान जिसे अब ऑपरेशन 1027 नाम दिया गया है। जून 2019 में गठित इस गठबंधन में अराकान आर्मी (एए), म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी (एमएनडीए), और ताअंग नेशनल लिबरेशन आर्मी (टीएनएलए) शामिल हैं। एए को छोड़कर, जो म्यांमार के दक्षिण–पश्चिमी राज्य रखाइन से है, बाद के दो चीनी सीमा के करीब शान राज्य में स्थित हैं। इनमें से, एमएनडीए कोकांग समुदाय का है, जो जातीय चीनी हैं और टीएनएलए ताअंग (या पलाउंग) जातीय समूह का है, जो चीनियों के भी बहुत करीब है। म्यांमार विशेषज्ञ और जाने–माने पत्रकार और लेखक, बर्टिल लिंटनेर, इस बात पर जोर दे रहे हैं कि चीनी म्यांमार के अशांत जल में मछली पकड़ रहे हैं – यह सुनिश्चित करने के लिए दोहरा खेल खेल रहे हैं कि म्यांमार जुंटा देश में नरक को नियंत्रित रखने में चीन के सहयोग को महत्वपूर्ण मानता है। नियंत्रण। कई पर्यवेक्षकों ने पहले सोचा था कि यह समस्या पूरी तरह से म्यांमार जुंटा के लिए चिंता का विषय है, और यही बात गलत साबित हो रही है। सबसे पहले, म्यांमार में चीन की मजबूत पकड़ का मतलब है कि चीन के प्रतिद्वंद्वी – जो इतिहास के इस मोड़ पर, मुख्य रूप से अमेरिका और पश्चिमी दुनिया में उसके सहयोगी हैं – भी इस संघर्ष थिएटर पर अपना ध्यान केंद्रित करना शुरू कर देंगे। पहले से ही संकेत मिल रहे हैं कि ऐसा हो रहा है और चीन के बढ़ते प्रभाव में बाधा डालने के लिए म्यांमार में उनके अपने प्रतिनिधि हैं। जैसा कि एक अन्य प्रसिद्ध भारतीय सार्वजनिक बुद्धिजीवी और पूर्व विदेश सेवा अधिकारी, एम के भद्रकुमार ने लिखा है, नवीनतम और सबसे उन्नत अमेरिकी छोटे हथियार कई जुंटा विरोधी विद्रोही समूहों तक पहुंच रहे हैं, और ये वास्तव में भारत में भी घुसना शुरू हो गए हैं, खासकर मणिपुर। ऐसी परिस्थिति में, ऐसा कोई कारण नहीं हो सकता कि भारत चिंतित न हो। वह न केवल चीन को अपना क्षेत्रीय शत्रु मानता है, बल्कि म्यांमार में उसके पिछवाड़े में आकार ले रहा भू–राजनीतिक संघर्ष क्षेत्र निश्चित रूप से चिंता का एक कारण होगा। सीमा पर बाड़ लगाने और एफएमआर को रद्द करने के हालिया कदम को भी इसी रोशनी में देखा जाना चाहिए। क्या भारत अति– प्रतिक्रिया कर रहा है, यह सोचकर कि इससे सीमा पार समुदायों के बीच संबंधों में बाधा आने के अलावा, इसकी एक्ट ईस्ट नीति पर गहरा प्रभाव पड़ेगा? यह बहुत अच्छी तरह से मामला हो सकता है, और भारतीय बुद्धिजीवियों के बीच वर्तमान बहस, हालांकि मुश्किल से सुनाई देती है, ठीक इसी बारे में है। जो भी मामला हो, यहां रेखांकित करने वाली बात यह है कि इन नई

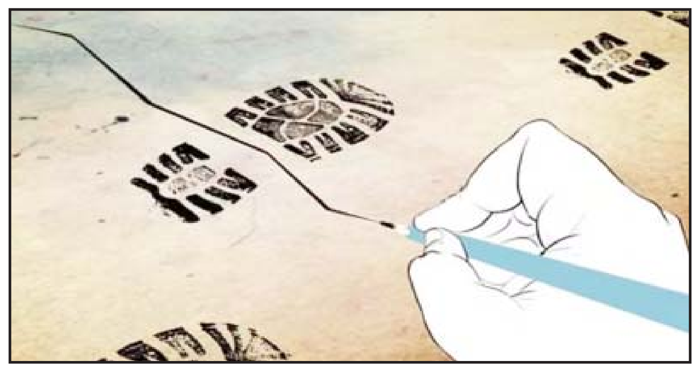

नीतिगत कदमों के पीछे का प्रेरक तर्क स्थानीय राजनीतिक दबावों की तुलना में बड़ी भू–राजनीतिक चिंताओं से प्रेरित है। चिंता भारत के कलादान मल्टी–मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के भाग्य को लेकर भी है। यह चिंता निस्संदेह जायज है, लेकिन यहां भी एक बार फिर विचार करने की जरूरत है। शायद कलादान परियोजना के महत्व को ज्यादा महत्व दिया गया है – और भारत के नीति निर्माताओं को यह पता है, इसलिए इसे कम प्राथमिकता दी गई है। जैसा कि पुलिपाका ने उसी लेख में बताया गया है, इस परियोजना की कल्पना मुख्य भूमि भारत और पूर्वोत्तर के बीच एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में की गई थी, जो आज केवल एक संकीर्ण भूमि गलियारे से जुड़े हुए हैं जिसे अक्सर चिकन नेक या सिलीगुड़ी कॉरिडोर के रूप में जाना जाता है – जो कि बीच की एक खाई है। बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और, महत्वपूर्ण रूप से, चीन। भारत की रणनीतिक चिंता यह है कि यदि चीन के साथ किसी भी तरह की शत्रुता बढ़ने से यह भूमि मार्ग खतरे में पड़ जाता है, तो पूर्वोत्तर क्षेत्र मुख्य भूमि भारत से पूरी तरह अलग हो जाएगा। कलादान परियोजना इस चिंता का उत्तर थी। अन्यथा, यह एक ऐसा मार्ग है जिसे शायद ही पसंद किया जाएगा।

भारत के विकास पर मोदी की गारंटी दिमाग चकराने वाली हो सकती

विनोद

जब 2014 के बाद से 10 वर्षों में भारत के विकास प्रक्षेप पथ की जांच करने का काम सौंपा गया, तो अवधारणाओं और शब्दों की एक गड़गड़ाहट चेतना में उभर आई, जैसे कि रेट्रो पंक, नीचे की सीढ़ी से ऊपर, देश को चांदी की घंटियों और कॉकल शेल्स से सजाया गया या सीधे तौर पर भ्रमित किया गया। स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक सम्मेलन में अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन की जोरदार प्रशंसा के नजरिए से देखने पर कोई भ्रम नहीं है, जब उन्होंने माना कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला दशक उल्लेखनीय उपलब्धियों और भौतिक रूप से लाभान्वित से एक रहा है। इतने सारे भारतीय रहते हैं. प्रधानमंत्री की नजर से देखा जाए तो संदेह और भी कम है। भारत अब अत्यधिक लोकप्रिय श्री मोदी द्वारा दी गई ष्गारंटीष् से घिरा हुआ है कि वह देश को षविकसितष् युग में ले जाएंगे। विकास की गारंटी के बीच एक सूक्ष्म अंतर है, जो एक सतत प्रक्रिया के रूप में विकास है, और विकसित, जिसका अर्थ है उन्नत और विकसित, दूसरे शब्दों में भारत का अपने पूर्वनिर्धारित गंतव्य पर आगमन का क्षण, अर्थात, अर्थव्यवस्थाओं की विश्व रैंकिंग में तीसरा स्थान . जिस दर से भारत भर में रोजगारी की बातचीत में गारंटी का उपयोग किया जा रहा है, यह शब्द अगले 12 महीनों में वर्ड ऑफ द ईयर की सामान्य सूची में दुनिया में सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द बन सकता है। यदि ऐसा हुआ, तो यह भारतीय जनसंख्या के विशाल आकार का परिणाम होगा, जो अब अनुमानित है, सटीक नहीं, 1.44 बिलियन। (कोई नहीं जानता कि देश में कितने भारतीय हैं क्योंकि आखिरी बार जनगणना 13 साल पहले 2011 में हुई थी जब जनगणना हुई थी।) दूसरे शब्दों में, आकार मायने रखता है। इसलिए भारत की अर्थव्यवस्था का आकार उसकी जनसंख्या के आकार पर निर्भर करता हैय जितने अधिक लोग, उतनी बड़ी अर्थव्यवस्था। एक अर्थव्यवस्था के रूप में पांच ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ना या विश्व रैंकिंग में तीसरा स्थान प्राप्त करना आसानी से प्राप्त होने वाला लक्ष्य है। वास्तव में, यह एक कम लटकने वाला फल है। तो, अपने करिश्माई नेता के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी द्वारा तीसरी बार जीत की हैट्रिक बनाने के बाद विकसित भारत में पहुंचने की क्या गारंटी है? 2023 के मध्य में, विभिन्न भारत पर नजर रखने वालों के आकलन ने निष्कर्ष निकाला कि कुल 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में से कुछ नौ राज्य विकास के ष्उच्च मध्यम आय वाले देशष् स्तर तक पहुंच जाएंगे। देश का दो–तिहाई हिस्सा 2030 में निम्न और मध्यम–आय स्तर के बीच झूल रहा होगा। एक–तिहाई भारतीय प्रति वर्ष 3 लाख रुपये से कम कमा रहे होंगे, जबकि दो–तिहाई लोग सालाना प्रति व्यक्ति लगभग 1.60 लाख रुपये कमा रहे होंगे। . सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार 2030 तक जो राज्य बेहतर स्थिति में होंगे, वे हैं तेलंगाना, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश। अन्य अनुमानों में गुजरात, महाराष्ट्र और हरियाणा शामिल हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 2028 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की श्री मोदी की गारंटी के समर्थन के बावजूद उत्तर प्रदेश और बिहार, जो अब एक बार फिर ष्डबल–इंजनष् सरकार द्वारा शासित है, उनमें से एक बना रहेगा। सबसे गरीब. प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 1.60 लाख रुपये से 3 लाख रुपये से कम की दूरी तय करने के लिए, यह स्पष्ट है कि मोदी सरकार के पास आय बढ़ाने और अपने अभियान के वादे को पूरा करने के लिए योजनाओं का एक बड़ा फोल्डर है, जो इस गारंटी के साथ समर्थित है कि भारत इस लक्ष्य तक पहुंच जाएगा। थोड़े ही समय में विकास की अवस्था। तो, इन योजनाओं में क्या है? सभी उत्पाद या सेवा गारंटियों की तरह, श्री मोदी की गारंटियां छोटे अक्षरों में आती हैं जिन्हें बड़ी मेहनत से पढ़ा जाना चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि खामियां कहां हैं। गरीबी मिटाने के वादे हैं. अर्थव्यवस्था को पूर्ण रोजगार तक पहुँचने के लिए तैयार करने के बारे में कोई वादा नहीं किया गया है। बेरोजगारी चरम पर है और लाखों शिक्षितों की सरकारी भर्ती परीक्षाओं में भाग लेने की बेताबी को देखा जा सकता है, ऐसे में विकास की गारंटी बेरोजगारी के साथ आती है। तो फिर 800 मिलियन लोग, जो अब प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के संकट निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत आते हैं, को मुफ्त खाद्यान्न वितरण के बिना नंगे जीवन की गारंटी कैसे दी जाएगी? ऐसा होने के लिए, भारतीय अर्थव्यवस्था को न केवल बढ़ना होगा बल्कि अभूतपूर्व दर से बढ़ते रहना होगा। उस वृद्धि को समान रूप से वितरित करना होगा। अब ऐसा नहीं हैय एक अनुमान से पता चलता है कि ष्भारत में 16 लोगों की संपत्ति 600 मिलियन लोगों की संपत्ति के बराबर हैष्। श्री मोदी के दृष्टिकोण से, भारतीय अर्थव्यवस्था की समस्याएं इसके अतीत में निहित हैं। उनकी राय में, कांग्रेस भारत की क्षमता को रोकने के लिए जिम्मेदार है और गरीबी से जुड़ी सभी बुराइयों से निपटने में देश की विफलता का मुख्य कारण जवाहरलाल नेहरू और पार्टी की वंशवादी राजनीति है, जिसने मलाई खाई और जनता को छोड़ दिया। डायर स्ट्रेट्स. वह इंदिरा गांधी के गरीबी हटाओ नारे की आलोचना करते रहे हैं जिसने गरीबी उन्मूलन के लिए कुछ नहीं किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 9 मार्च को करेंगे महाराणा प्रताप पार्क का उद्घाटन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजपूत सेवा समिति द्वारा कलीचाबाद तिराहे पर स्थापित महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा का अनावरण 9 मार्च को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा किया जाएगा। जिस क्रम में शुक्रवार को मुख्य विकाश अधिकारी सीलम साई तेजा,भाजपा प्रत्याशी व पूर्व गृहराज्य मंत्री महाराष्ट्र कृपाशंकर सिंह,डस्ऌ बृजेश सिंह प्रिंशु ने मूर्ति स्थल पर पहुँच कर निरीक्षण किया। ज्ञात हो 9 मार्च को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कालीचाबाद में स्थित महाराणा प्रताप की मूर्ति का अनावरण दोपहर 1 बजे करेंगे। निरीक्षण के दौरान विधान परिसद सदस्य वृजेश सिंह प्रिन्सू ने कहा कि आज राजपूत सेवा समिति के साथ–साथ मुझे भी गर्व हो रहा है कि मैने भी अपना योगदान दिया आगे उन्होने कहा कि मोबाइल और लैपटाप के दौर में हमारे इतिहास और संस्कृति के प्रति भी जागरूक होने की हम लोगों को आवश्यकता है। केवल फिल्मों के इतिहास से हम लोग आगे नहीं बढ़ सकते। हमें हमारे इतिहास को हमारी आने वाली पीढ़ी को बताना होगा। महाराणा प्रताप ने अपना जीवन देश की एकता व अखंडता की खातिर न्यौछावर कर दिया, उन्होंने घास की रोटी खाकर भी हार नहीं मानी। इस मौके पर भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, पूर्व विधायक डॉ हरेन्द्र सिंह,नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष के प्रतिनिधि डॉ रामसूरत मौर्य,रत्नाकर सिंह, शशि मोहन सिंह क्षेम ,रविन्द्र प्रताप सिंह,, शशि सिंह सहित भारी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

मोटे अनाज देते है भरपूर पोषण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कृषि विभाग द्वारा शुक्रवार को विकास खण्ड परिषर सिरकोनी एवं राजकीय बीज भंडार डोभी में उत्तर प्रदेश मीलेट्स

पुनरोद्धार योजना अन्तर्गत तहसील स्तरीय कृषक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री अन्न के उत्पादन, महत्व एवं उपयोगिता से किसानों को प्रशिक्षित किया गया।

किसानों को सम्बोधित करते हुए उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने कहा कि आहार व पोषण विशेषज्ञ मोटे अनाजों की खूबियों से इतने प्रभावित हैं कि इन्हें सुपरफूड्स के रूप में मान्यता दे रहे है, मोटे अनाज, श्री अन्न को एमडीएम में भी शामिल किया जाएगा, जिससे जनपद में मीलेट्स के उत्पादन को बल मिलेगा, मानव स्वास्थ्य वेहतर होगा तथा किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी मोटे अनाजों की उपयोगिता को देखते हुए सरकार ने श्री अन्य योजना का नाम दिया है दूसरे अनाजों की तरह ही मोटे अनाज चीला, खीर, खिचड़ी, दलिया, कटलेट, सूप, उपमा, डोसा, इडली, बिस्कुट, स्नेक्स, चिक्की आदि रूपो में खाया जा सकता है।

उन्होंने ने कहा कि श्री अन्न से बने खाद्यान्न एमडीएम में सम्मिलित किए जाने से बच्चों के वेहतर स्वास्थ्य के साथ मीलेट्स पुनरोद्धार को बढ़ावा मिलेगा।

इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च (आईआईएमआर) हैदराबाद के अनुसार मोटे अनाज सिलिएक डिजीज के इलाज में लाभ प्रद है। इसका कारण है मोटे अनाज ग्लूटेन फ्री है। गेहूं में ग्लूटेन नामक तत्व पाया जाता है जिससे कुछ लोगों में सीलिएक बीमारी रोग हो जाता है।

विषय वस्तु विशेषज्ञ शिवानन्द मौर्य ने कहा कि विशेषज्ञ मोटे अनाज को मधुमेह और कैंसर रोकने वाले तत्वों से भरपूर मानते हैं, पौस्टिक तत्व भरपूर मात्रा में होने के कारण मोटे अनाज को एनीमिया व कुपोषण की समस्या को दूर करने में सहायक माना जा रहा है।

अपर जिला कृषि अधिकारी रविन्द्र कुमार पाल ने कहा कि आयुर्वेद के अनुसार मोटे अनाज वात एवं कफ दोष को संतुलित करने में सहायक है। मोटे अनाजों में फाइबर की प्रचुरता उन्हें मधुमेह और मोटापे से बताती है मोटे अनाजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है तभी मधुमेह व हृदय रोगियों को खाने की सलाह दी जाती है।

इस मौके पर उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी डा. स्वाति पाहुजा, एसएमएस महेंद्र यादव, एडीओ एजी. आशीष कुमार त्रिपाठी, बीटीएम ज्ञानेश्वर मिश्र, जुनेद अहमद, अजय सिंह, प्रेमचंद पाल, अभिनाश, विकास सिंह, राजेन्द्र, पंकज, ज्ञान चंद्र गिरी, सुमन्त यादव, पलधारी, प्रेम सिंह, लाल साहब आदि किसान मौजूद रहें।

मतदाता जागरूकता एक्सप्रेस वैन ने मतदान करने हेतु किया प्रेरित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आगामी लोकसभा चुनाव में जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा भेजी गई मतदाता जागरूकता एक्सप्रेस वैन ने आज भ्रमण कर लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक व प्रेरित किया।

अपर जिलाधिकारी (वि.रा.)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान ने कलेक्ट्रेट परिसर से प्रातः मतदाता जागरूकता एक्सप्रेस वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिसका जगह जगह लोगों ने स्वागत किया। कलेक्ट्रेट परिसर से सद्भावना पुल तक गुलाबी देवी इ.का., नेहरु बालोद्यान इ. का., व मोहम्मद हसन इ. का. के स्काउट गाइड के छात्र छात्राएं मतदाता जागरूकता नारे लगाते वैन के साथ चल रहे थे। शाही किला से अटाला तक राजा श्री कृष्ण दत्त इ. का. के एन.सी.सी. के कैडेट वैन के साथ चल रहे थे। भण्डारी रेलवे स्टेशन पर डा अख्तर हसन रिजवी शिया डिग्री कालेज के एन.एस.एस. के छात्र छात्राओं ने स्वागत किया।

मोहम्मद हसन डिग्री कालेज पर वहाँ के एन.एस.एस. छात्र छात्राओं ने स्वागत किया। इसके साथ ही कुत्तुपुर तिराहा, विशेषरपुर तिराहा, सिपाह चौराहा, टीडी कालेज रोड, पालिटेक्निक चौराहा आदि चौराहों पर एलईडी वैन के माध्यम से लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया, तथा जगह जगह लोगों को मतदान करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए 18 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों का चुनाव में सहभागिता जरुरी है, इसलिए महिला, पुरुष, तृतीय लिंग, युवा व दिव्यांग सभी मतदाताओं से अपील है कि मतदान तिथि को अपना वोट जरुर दे जिससे जनपद का मतदान प्रतिशत बढ़े। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर पवन कुमार सिंह, तहसीलदार सदर सौरभ कुमार, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बृजेश चतुर्वेदी, खण्ड शिक्षा अधिकारी नगर उदयभान कुशवाहा, जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सै मो मुस्तफा, ईएलसी कोआर्डिनेटर रमेश चन्द्र यादव, स्काउट गाइड प्रभारी डा अखिलेश श्रीवास्तव, डा रंजीत सिंह, डीओसी राकेश मिश्रा, पूर्वांचल विश्वविद्यालय एनएसएस समन्वयक डा राज बहादुर यादव, उदयराज सिंह, डा अवधेश कुमार, मो. अब्बास खान खण्ड, नायब तहसीलदार आदि सहित छात्र छात्राएं व क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। इसके बाद मड़ियाहूं बाजार, जमालापुर बाजार, रामपुर बाजार आदि क्षेत्रों में खण्ड शिक्षा अधिकारी मड़ियाहूं अजीत कुमार सिंह, रामनगर बीईओ कन्हैयालाल, रामपुर बीईओ गौतम प्रसाद के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों व क्षेत्रीय लोगो ने मतदाता जागरूकता एक्सप्रेस वैन का स्वागत करते हुए क्षेत्र में भ्रमण कराकर लोगों को मतदान करने के लिए जागरुक किया।

योगी मोदी सरकार कर रही है सभी का कल्याण – अफरोज

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य अफरोज खान ने कस्बे के स्वर्गीय हसन ताहिर के आवास पर बैठक की। उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और योगी मोदी सरकार की योजनाओं का बखान किया। दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री अफरोज खान कस्बा पिहानी में पहुंचकर लोगों से मुलाकात की। बैठक का आयोजन शौजब जैदीकी ओर से किया गया था। बैठक में कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएं गिनाईं। इस पर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। लोगों ने बालिका शिक्षा की व्यवस्था न होने, अघोषित बिजली कटौती व लो वोल्टेज आदि की समस्याओ से अवगत कराया। दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री अफरोज खान ने कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी व प्रदेश की योगी सरकार सभी के कल्याण की योजनाएं लागू कर रही हैं। इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के डाक्टर मुसाफिर हुसैन जैदी, इस्माइल खान, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव गुप्ता, सैफ हसन जैदी ,मिशम मिर्जा, बब्बे मियां के छोटे भाई अरशद जैदी समेत कई लोग मौजूद रहे।

51 विभुतियो को सनातन रत्न से सम्मानित करेगा आजाद सनातन सेना – संदीप पांडेय जोगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आजाद सनातन सेना द्वारा 10 मार्च को तिलक पैलेस होने वाले सनातन समागम संस्थापक/अध्यक्ष आजाद सनातन सेना सन्दीप पाण्डेय जोगी ने पत्रकारो से बात करते हुए बताया कि सनातन समागम में कुल 551 श्री राम चरित मानस वितरण, 51 विभुतियो को सनातन रत्न, सनातन आये हुये लोगो को सम्मानित किया जायेगा । श्री पाण्डेय ने कहा कि जनवरी 2024 में संस्था का रजिस्ट्रेशन और आज हम कई प्रदेश सहित– उत्तर प्रदेश के लगभग 15–20 जनपदों में हमारी आजाद सनातन सेना सक्रिय रूप से अपना कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कार्यक्रम में मुख्य रूप से अमर शहीद बलिदानी चन्द्र शेखर आजाद जी के प्रपौत्र श्री अमित आजाद तिवारी जी, प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का विगुल फूंकने वाले मंगल पाण्डेय जी के प्रपौत्र डा० नीरज पाण्डेय, श्री हनुमान गढी अयोध्या के महन्त श्री राजू दास जी महराज, बालयोगी सूरज दास जो श्री गिरीश पति त्रिपाठी महापौर अयोध्या, स्वामी समर्थ रामदास जी महराज, स्वामी परमानन्द जी महराज, इंद्रेश कौशिक महराज सहित प्रदेश व देश के प्रमुख सन्त सहित तमाम विभूतियां उपास्थित रहेंगी। श्री पाण्डेय ने निवेदन करते हुये यम्दग्निपुर के समस्त सनातनियों से अनुरोध किया कि सनातन समागम में अपनी उपस्थित देकर हम सभी को आशीर्वाद दें।

हाईकोर्ट ने भाजपा विधायक/पूर्व मंत्री विनोद सिंह को दी क्लीन चिट, कमला देवी के खिलाफ चलेगा ट्रायल'

सुल्तानपुर। फैजाबाद कचहरी बम ब्लास्ट मामले में हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री एवं भाजपा विधायक विनोद सिंह को क्लीन चिट दे दी है। स्पेशल जज ईसी एक्ट न्यायालय की तरफ से 319 के प्रार्थना पत्र पर 18 नवंबर 2021 को पूर्व मंत्री विनोद सिंह और पूर्व जिला पंचायत सदस्य कमला देवी को तलब किया गया था। पूर्व ब्लाक प्रमुख यशभद्र सिंह मोनू के प्रार्थना पत्र पर स्पेशल कोर्ट ने तलबी आदेश जारी किया था। पूरा प्रकरण 2014 में फैजाबाद कचहरी में हुए पूर्व ब्लाक प्रमुख यशभद्र सिंह मोनू के ऊपर बम ब्लास्ट से जुड़ा हुआ है। मामले में भाजपा विधायक विनोद सिंह की तरफ से हाईकोर्ट में रिवीजन याचिका दायर की गई थी। जिस पर उन्हेंं पूर्व में स्टे प्रदान किया गया था। इस मामले की गुरुवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की लखनऊ की एकल बेंच पीठ में पूर्व मंत्री एवं भाजपा विधायक विनोद सिंह की बम ब्लास्ट में संलिप्तता के लिए साक्ष्य को अपर्याप्त माना है। इसके आधार पर स्पेशल जज फैजाबाद की तरफ से की गई तलबी के आदेश को हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया है , जबकि पूर्व जिला पंचायत सदस्य कमला देवी के खिलाफ मिले साक्ष्य को आधार मानते हुए उन्हें विचारण में शामिल करने का निर्देश फैजाबाद स्पेशल कोर्ट को दिया गया है। मामले में विनोद सिंह के हाईकोर्ट से क्लीन चिट मिलने के बाद उनके समर्थकों में हर्ष का माहौल देखा गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से एक दिन पूर्व "एस के डी एकेडमी" की सभी शाखाओं में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पूर्व एस के डी एकेडमी की सभी शाखाओं में इंस्पायर इन्क्लूसन की थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में समूह की शिक्षिकाओं के अलावा बड़ी संख्या में महिला अभिभावकों ने भाग लिया. अपने उद्बोधन में एस के डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक श्री मनीष सिंह ने पुराणों से माँ गार्गी देवी का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि भारत भूमि में आदि काल से ही महिलाओं को भी पुरुष के सामान शिक्षा के अधिकार प्राप्त थे. उन्होंने भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति के महत्त्व और लैंगिक समानता की परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में नारी के बिना कोई भी पूजन–अनुष्ठान पूर्ण नहीं होता. उन्होंने सभी का आवाहन किया कि हमें वर्तमान में जीते हुए वर्तमान के अनुरूप ही शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज की सभी व्यवस्थाओं में परिवर्तन करके आगे बढ़ना चाहिए. उन्होंने कहा कि एस के डी समूह महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ते हुए उन्हें बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रहा है.

इस अवसर पर शिक्षिकाओं और महिला अभिभावकों के बीच म्यूजिकल चेयर जैसे विभिन्न खेलों का आयोजन हुआ जिसके उपरान्त संस्थान की शिक्षिकाओं ने समूह नृत्य और गायन की बेहतरीन प्रस्तुति दी.

इस मौके पर संस्थान की उप निदेशक श्रीमती निशा सिंह, सह–निदेशक श्रीमती कुसुम बत्रा, सह निदेशक उच्च शिक्षा डा० निष्ठा शुक्ला समेत सम्मानित शिक्षकगण और अभिभावक उपस्थित थे।

सिधेश्वर महादेव की पूजा से पूर्ण होगी मनोकामना - रवि किशन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर शुक्रवार को सांसद गोरखपुर रवि किशन ने केराकत तहसील स्थित अपने पैतृक गांव बिसुहिं बराई जौनपुर में सिधेश्वर महादेव जी कार्तिके भगवान , हनुमान जी एवं माता दुर्गा जी की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा करने अपने गांव उपस्थित रहे। रवि किशन ने बताया कि हमारे गांव में मंदिर नही था महिलाओं को जल चढ़ाने दूर दूसरे गांव जाना पड़ता था , आज मेरे पिता जी आत्मा को तृप्ति मिली , उनकी बहुत इच्छा थी कि गांव में शिव जी का मंदिर बने आज उनका सपना पूरा हुआ। प्रधानमंत्री मोदी जी मुख्यमंत्री योगी जी ने जो ये राम राज की शुरुआत किया है अब भारत ही नही अपितु समूचा विश्व सनातन को अपना रहा है सनातनी बन रहा है आज गांव में आम जनमानस की खुशी देखकर मुझे लग रहा है कि आज मैंने अपने गांव के लिए कुछ कर पाया हूँ। उन्होंने हवन पूजन कर सभी गांव वालों को शिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि शशांक किशन, पवन दुबे अजय सिंह, विराट सिंह , अनुराग दूबे, चिंटू शुक्ला , रेखा शुक्ला आदि ग्राम वासी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं में बढ़ रहे कैंसर से निपटने के लिए माश हास्पिटल ने शुरू किया ऑनकोलॉजी डिपार्टमेंट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। दुनिया भर में कैंसर बीमारी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, खासकर कुछ तरह के कैंसर महिलाओं को ज्यादा प्रभावित करते हैं। भारत में, महिलाओं में कई तरह के कैंसर पाए जाते हैं। इसीलिए ये बहुत जरूरी है कि महिलाओं में कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाई जाए, बचाव के तरीके अपनाए जाएं और इलाज के सही तरीके इस्तेमाल किए जाएं। भारत में, स्तन कैंसर महिलाओं में सबसे ज्यादा पाया जाने वाला कैंसर है। हर 100 में से 27 महिलाओं को यह बीमारी होने का खतरा होता है। इसके बाद सर्वाइकल कैंसर का नंबर आता है, जो 13 महिलाओं में से एक को हो सकता है। पूरी दुनिया की बात की जाए तो, हर साल लाखों महिलाएं इन बीमारियों से अपना जीवन गंवा देती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल 6.85 लाख से ज्यादा महिलाओं की स्तन कैंसर से और 3.42 लाख महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर से मौत हो जाती हैं। भले ही कैंसर अभी भी एक खतरनाक बीमारी है, लेकिन डॉक्टरों का मानना है कि करीब 30 से 50 फीसदी कैंसर के मामले रोके बचा जा सकते हैं। इसके लिए हमें कुछ ऐसी आदतें त्यागनी होंगी, जो कैंसर का खतरा बढ़ाती हैं और साथ ही नियमित तौर कुछ जरूरी टेस्ट भी करवाने होंगे। इसलिए ये बहुत आवश्यक है कि हम जागरूक रहें और पहले से ही ऐसे कदम उठाएं जिनसे कैंसर का खतरा कम किया जा सके।

माशरू कैंसर के इलाज में उम्मीद की नई किरण

कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए, नई दिल्ली के जाने–माने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, मिनिमल एक्सेस स्मार्ट सर्जरी हॉस्पिटल (माश) ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर अपने ऑन्कोलॉजी विभाग (कैंसर का इलाज करने वाला विभाग) शुरू करने की घोषणा की है। यह नया विभाग एमएएसएसएच द्वारा अपने मरीजों को कई तरह की बीमारियों के लिए एक ही छत के नीचे इलाज देने के लिए उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। माश, कैंसर के इलाज के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण प्रदान करता है, जिसमें दवा, कीमोथेरेपी, एडवांस्ड सर्जरी और निवारक दवा शामिल हैं। अनुभवी ऑन्कोलॉजिस्ट (कैंसर विशेषज्ञ) की टीम के नेतृत्व में, माश का समर्पित ऑन्कोलॉजी विभाग कैंसर रोगियों को व्यापक देखभाल प्रदान करता है। कैंसर के इलाज के बाद भी निरंतर फॉलोअप द्वारा रोगियों की निगरानी की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कैंसर वापस न आए। अस्पताल में आधुनिक मशीनों से जांचें और टिश्यू टेस्ट करने की लैब मौजूद है। साथ ही, यहां कैंसर के इलाज के लिए एक खास टीम भी उपलब्ध है ष्मल्टी डिसीप्लिनरी ट्यूमर बोर्ड।ष इसमें कई तरह के विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल हैं, जैसे कैंसर के इलाज के स्पेशलिस्ट (मेडिकल ऑनकोलॉजिस्ट), ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर (सर्जन), एक्स–रे और स्कैन करने वाले डॉक्टर (रेडियोलॉजिस्ट), और जांच करने वाले डॉक्टर (पैथोलॉजिस्ट)। यह सभी मिलकर मरीजों के लिए उपलब्ध सबसे बेहतरीन इलाज का फैसला करते हैं। इस तरह से मरीजों को हर तरह से बेहतर इलाज मिलता है। डॉ. सचिन अम्बेकर, डायरेक्टर – मिनिमल एक्सेस सर्जरी व मेडिकल डायरेक्टर एमएएसएच हॉस्पिटल ने बताया, ष्कैंसर का जल्दी पता लगाना और जांच करवाना बहुत जरूरी है। अगर ब्रेस्ट, सर्विकल या ओवरी के कैंसर जैसी बीमारी का जल्दी पता चल जाए और इलाज शुरू कर दिया जाए, तो उसे ठीक करने की संभावना काफी बढ़ जाती है। कैंसर होने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है, कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। अगर आपके परिवार में किसी को कैंसर हुआ है, तो आपके लिए भी खतरा ज्यादा होता है। मोटापा, धूम्रपान और शराब पीने की आदत, यह भी कैंसर का कारण बन सकते हैं। खासतौर पर स्तन कैंसर में, अगर माँ या नानी को ये बीमारी हुई है, तो भी खतरा ज्यादा हो सकता है। ऐसा खास जीन बीआरएसी1 या बीआरएसी2 में हुए में म्यूटेशन या बदलाव के कारण भी हो सकता है। यह जीन माता–पिता से बच्चों को मिलते हैं। हनीश बंसल, चेयरमैन एंड एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, एमएएसएच हॉस्पिटल ने बताया, माश कैंसर का इलाज करा रहे मरीजों को हर तरह से राहत पहुंचाने के लिए तत्पर रहता है। उन्हें सिर्फ इलाज ही नहीं, बल्कि मानसिक परेशानी को कम करने के लिए डॉक्टर की सलाह और मनोवैज्ञानिक सहायता, खाने–पीने की सही जानकारी देने वाले डाइट सलाहकार, पेन मैनेजमेंट और जरूरत पड़ने पर राहत देने वाली देखभाल जैसी सुविधाएं भी मुहैया कराता है। इस तरह से मरीजों का शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से ध्यान रखा जाता है। अस्पताल नई दवाइयां और इलाज खोजने वाले रिसर्च में भी मरीजों को शामिल होने का मौका देता है। इससे जो मरीज इसके लिए उपयुक्त होते हैं वो अत्याधुनिक इलाज करवा सकेंगे और इससे कैंसर की नई दवाइयां लाने में भी मदद मिलती है। माश कैंसर रोगियों को न सिर्फ इलाज मुहैया कराता है, बल्कि मरीजों को सशक्त भी बनाता है, उन्हें जीवन जीने की कला भी सिखाता है। हॉस्पिटल रोगियों को विभिन्न प्रकार के शैक्षिक संसाधन प्रदान करता है। रोगियों को सहायता समूहों से भी जोड़ता है, जहां वे अन्य कैंसर रोगियों से संवाद कर सकते हैं और अपनी भावनाओं और अनुभवों को साझा कर सकते हैं। माश रोगियों को सफल इलाज के बाद कार्यक्रमों में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो उन्हें कैंसर के बाद जीवन जीने के बारे में जानने में मदद करते हैं। माश अस्पताल की संस्थापक और सीईओ श्रीमती मानसी बंसल झुनझुनवाला ने बताया, ष्माश ने कैंसर रोगियों के लिए एक नई

व्यवस्था शुरू की है, इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड। इस व्यवस्था के तहत, सभी डॉक्टरों और स्टाफ के पास मरीजों के स्वास्थ्य का एक ही रिकॉर्ड होगा। यह रिकॉर्ड इलेक्ट्रॉनिक रूप में होगा, यानी इसे कंप्यूटर में रखा जाएगा। इस व्यवस्था के कई फायदे हैं। सबसे पहले, इससे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के बीच बेहतर तालमेल होगा। वे एक–दूसरे के साथ मरीजों के स्वास्थ्य के बारे में आसानी से जानकारी साझा कर सकेंगे। इससे मरीजों को बेहतर इलाज मिलेगा। दूसरा, इस व्यवस्था से मरीजों को समय पर फॉलो–अप अपॉइंटमेंट मिलेंगे। डॉक्टर मरीजों की प्रगति पर नजर रख सकेंगे और उन्हें जरूरत के अनुसार इलाज में बदलाव कर सकेंगे। तीसरा, इस व्यवस्था से मरीजों के इलाज के परिणामों का बेहतर मूल्यांकन होगा। डॉक्टर यह जान सकेंगे कि कौन सा इलाज किस मरीज के लिए सबसे अच्छा है। यह नई व्यवस्था कैंसर रोगियों को प्रभावी और बेहतर देखभाल प्रदान करने में मदद करेगी। भारतीय महिलाओं में कैंसर का खतरा बढ़ रहा है, जो चिंता का विषय है। इस बढ़ते बोझ से निपटने के लिए, हमें एक व्यापक और किफायती स्वास्थ्य देखभाल दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इसमें रोकथाम, शीघ्र पता लगाने, सटीक उपचार और समग्र देखभाल शामिल हैं। माश हॉस्पिटल ने अपना ऑन्कोलॉजी विभाग लॉन्च कर के कैंसर के रोगियों के बीच एक उम्मीद की किरण जगाई है। कैंसर के मरीजों को इलाज के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं है। आधुनिक इलाज, डॉक्टरों की टीम का पूरा सहयोग और हर कदम पर देखभाल – ये सब अब एक ही छत के नीचे मिल जाएगा। इन सभी सुविधाओं से मरीजों को जल्दी ठीक होने में काफी मदद मिलेगी।

आलमनगर स्टेशन का नाम परिवर्तन कर बाबा बुद्धेश्वर धाम स्टेशन करने की घोषणा लोकसभा चुनाव से पूर्व करने पर बल दिया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 'बाबा बुद्धेश्वर धाम प्रचार प्रसार समिति' के 'विस्तार' हेतु 'आज' दिनांक '07/03:24' दिन बृहस्पतिवार को 'गुलमोहर रेस्टोरेंट' बी ब्लॉक राजा जी पुरम में एक 'वृहद बैठक' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'बाबा बुद्धेश्वर धाम प्रचार प्रसार समिति' का विस्तार किया गया और इसके साथ ही सभी ने एकमत से 'आलमनगर स्टेशन' का नाम परिवर्तन कर 'बाबा बुद्धेश्वर धाम स्टेशन' करने की घोषणा 'लोकसभा चुनाव' से पूर्व करने पर बल दिया गया। समिति के अध्यक्ष 'अनूप शुक्ला' ने संगठन विस्तार की घोषणा करते हुए समिति में मुख्य संरक्षक बुद्धेश्वर धाम की महंत लीला पुरी, मुख्य पुजारी रामू पुरी, संरक्षक मंडल में भाजपा अवध क्षेत्र के उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, भाजपा नगर मंत्री डॉ यू एन पांडे, भाजपा नेता मान

सिंह, पूर्व पार्षद शिवपाल सांवरिया, पार्षद अनुराग मिश्र, पार्षद धर्मेंद्र सिंह, पूर्व पार्षद नागेंद्र सिंह, पूर्व पार्षद राजीव कृष्ण त्रिपाठी, पूर्व पार्षद तारा चंद्र रावत, ब्राम्हण परिवार से शिव शंकर अवस्थी, अजय तिवारी, प्रेम तिवारी, प्रदीप तिवारी, मनोज के गुप्ता, सहित 18 लोगों को संरक्षक बनाया। महामंत्री डॉ कुलभूषण शुक्ला ने बताया कि संगठन कार्यकारिणी के अन्य पदों का विस्तार भी किया गया।

लूम सोलर ने घर, व्यापार और कृषि क्षेत्रों के लिए पूर्ण सौर समाधानों की श्रृंखला पेश की

नेशनल सोलर और ईवी एक्सपो 2024 में कटिंग–एज सौर समाधानों का अनावरण किया, उपभोक्ताओं को सस्टेनेबल ऊर्जा के प्रति प्रोत्साहित किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लूम सोलर, एक अग्रणी सोलर टेक स्टार्ट–अप और सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता, ने आज लखनऊ में यूपी–एसपीडीए और यूपीनेडा द्वारा आयोजित नेशनल सोलर और ईवी एक्सपो 2024 के दौरान विभिन्न अनुप्रयोगों और विभिन्न जरूरतों के

लिए खुदरा, वाणिज्यिक, कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों की विविधताओं को ध्यान में रखते हुए सोलर उत्पादों की एक व्यापक श्रृंखला पेश की। लूम सोलर एक व्यापक सौर समाधान और सौर वित्त विकल्पों के साथ, उपभोक्ताओं को स्वच्छ और सतत ऊर्जा को अपनाने की शक्ति प्रदान करने का उद्देश्य रखता है जबकि उनके बिजली बिल और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है। प्रदर्शनी में शामिल हैं सोलर पैनल 10W से TOPCon 575W तक, लिथियम बैटरी, हाइब्रिड इन्वर्टर, ग्रिड–टाई सोलर इन्वर्टर और सोलर वित्त विकल्प, जो ग्राहकों को समाधान के लिए पूरी स्पष्टता के साथ लौटने और उपयुक्त जानकारी से सशक्त करते हैं। लूम सोलर कटिंग–एज तकनीकों का उपयोग करके उपभोक्ताओं की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये उच्च गुणवत्ता के सौर पैनल न केवल सरकारी सब्सिडी योजनाओं का समर्थन करते हैं बल्कि सूक्ष्म, लघु, और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के बिजली बिल को कम करने में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लूम सोलर ने उत्तर प्रदेश सरकार के मुफ्त बिजली योजना पीएम सूर्योदय योजना के तहत 25 लाख घरों को सौर बिजली प्रदान करने के फैसले को समर्थन किया। वाराणसी हर घर सौर अभियान के साथ लूम सोलर ने उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा के इस पहल का समर्थन किया है। ये पहल स्थानीय युवाओं को काम की जानकारी प्राप्त करने में मदद की है और इस मिशन का हिस्सा बनने में तथा रोजगार उत्पन्न करने में सहायक हैं। लूम सोलर के कोफाउंडर और निदेशक, अमोद आनंद ने कहा, लूम सोलर में हम स्वच्छ और सस्टेनेबल ऊर्जा समाधानों के पहुंच को लोकतंत्रात्मक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक की तरह लूम सोलर पूरी तरह से उत्तर प्रदेश सरकार के लक्ष्य का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो सौर बिजली के पहुंच को बढ़ावा देने और ग्रीन ऊर्जा प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए है। हमारी भागीदारी पीएम सूर्योदय योजना और वाराणसी हर घर सौर अभियान जैसी पहलों में भी है। हम सभी के लिए सौर ऊर्जा को एक्सेसिबल और सस्ती बनाने का लक्ष्य रखते हैं, और इसके लिए ईएमआई का प्रावधान भी है। एमएसएमई की ऑपरेशंस कॉस्ट को भी सोलर की मदद से कम किया जा सकता है। यह हमारे उपभोक्ताओं को सशक्त करने और एक हरित भविष्य का निर्माण करने के हमारे समर्पण का परिचायक है। लूम सोलर की लिथियम बैटरियां और हाइब्रिड इन्वर्टर, ऊर्जा समाधानों का भविष्य है, जो डीजल जनसेट पर निर्भरता को कम करते हैं और अक्सर बिजली कटौती समस्याओं का समाधान करते हैं। 5झ्ॅ से 50kWh तक के विस्तारवादी लिथियम बैटरियां स्थिरता और कुशलता प्रदान करती हैं, एमएसएमई के लिए उत्पादकता को बढ़ाती हैं। सस्टेनेबिलिटी के प्रति अपने प्रतिबद्धता के अनुसार, लूम सोलर 100ॅ तक के ग्रिड–टाई सोलर इन्वर्टर बनाता है। सौर ऊर्जा को प्राप्त करके और अतिरिक्त विद्युत बिजली को ग्रिड में वापस भेजकर, ये इन्वर्टर आवासीय, वाणिज्यिक, और औद्योगिक सेटिंग्स में बड़ी मात्रा में बिजली बचत करते हैं। वित्तीय विकल्पों की महत्व को पहचानते हुए, लूम सोलर सभी प्रकार के सोलर सिस्टमों के लिए कोलेटरल शुल्क और सबसे कम ब्याज दरों के साथ सौर वित्तीय समाधान प्रदान करता है।

चाहे यह ग्रिड–टाई, हाइब्रिड, या वीएफडी सोलर सिस्टम हो, उपभोक्ता त्वरित मंजूरी और संचालित प्रक्रियाओं से लाभान्वित हो सकते हैं। अपने ग्राहक–केंद्रित दृष्टिकोण और गुणवत्ता और नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, लूम सोलर भारत और उसके बाहर सौर ऊर्जा के परिदृश्य को क्रांतिकारी बनाने के लिए तैयार है।

महा शिवरात्रि के पावन अवसर पर एस0 के0 डी0 एकेडमी में रुद्राभिषेक, महा आरती, भजन और भंडारे का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महा शिवरात्रि के पावन अवसर पर एस० के० डी० एकेडमी में रुद्राभिषेक, महा आरती, भजन और भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे सभी शाखाओं के शिक्षक शिक्षिकाओं के अलावा बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित थे. संस्थान के चेयरमैन श्री एस के डी सिंह ने आशीर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य के लिए सभी को शुभकामनायें दी. इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री मनीष सिंह ने शिव विवाह के प्रसंग और शिवरात्रि के महत्त्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा की सनातन धर्म में हम अर्धनारेश्वर की पूजा करते हैं, क्योंकि माँ पार्वती शक्ति हैं और उसे धारण करने वाले शिव हैं. इसलिए भारतीय संस्कृति में

भी स्त्री और पुरुष दोनो की बराबर भूमिका और महत्त्व है.

संस्थान के वृन्दावन योजना स्थित परिसर में भजन संध्या और भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया. इस अवसर पर संस्थान की उप निदेशक श्रीमती निशा सिंह, सह निदेशक श्रीमती कुसुम बत्रा, सह निदेशक श्री डी के सिंह एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दस साल के शासन काल में हर वर्ग को आत्मसम्मान से से जीने का हक मिला – अजीत सिंह बब्बन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने विकसित भारत मोदी की गारंटी प्रचार वाहनों को झंडी दिखाकर क्षेत्र में रवाना किया। इस अवसर पर मौजूद पार्टी

पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि देश में भाजपा ही एकमात्र ऐसा दल है जिसके मूल में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को आर्थिक और सामाजिक विकास से जोड़ने का लक्ष्य है। देश आज जिस रफ्तार से आर्थिक विकास की यात्रा कर रहा है, वह दिन दूर नहीं जब विश्व बिरादरी की अगुवाई भारत के हाथ में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दस साल के शासन काल में हर वर्ग को आत्मसम्मान से से जीने का हक मिला। भाजपा ने देश की चार प्रमुख जाति, जिसमें युवा, महिला, गरीब और किसान शामिल है सबको बिना किसी भेदभाव के कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित कराने का काम किया। लोकसभा में बरसों से अटका पड़ा महिला सशक्तिकरण को लेकर नारी वंदन अधिनियम को पारित कराया। कांग्रेस राज में व्याप्त भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद और पश्चिमी मानसिकता को खत्म कर प्रधानमंत्री मोदी ने देश और देशवासियों में एक खुशनुमा वातावरण और सबमें आत्मनिर्भर होने का भाव जगाया। इस अलख से देश से लेकर प्रदेश में स्टार्टअप और मेक इन इंडिया की एक नई क्रांति का आगाज हुआ। विश्वजगत में भारत का मान सम्मान बढ़ा है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बनती है कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रचंड बहुमत से दिल्ली की सत्ता पर बैठने का कार्य करें। अबकी बार 400 पार का को लक्ष्य है वह तभी सार्थक होगा जब सभी लोग दोनों लोकसभा सीटों को जिताने का संकल्प लेकर अपने अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वाहन करेंगे। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने देश और प्रदेश में मफियाराज को इतिहास के पन्नों में समेटने का काम किया। बाबा के बुलडोजर का खौफ इतना है कि अपराधियों के मन में भी पाप आता है तो वह अंजाम सोचकर तौबा कर लेते है। भाजपा सरकार ने महिला, युवा, किसान, वृद्ध, गरीब सबको साथ लेकर विकास के अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किए है। शौचालय योजना, आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छता मिशन, उज्जवला योजना, खेलो इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, अन्न योजना, इंद्रधनुष योजना, घरौनी योजना, बचत खाता ऐसी अनेक योजनाओं के द्वारा समाज के लोगों को लाभान्वित कराने का कार्य किया। आज यदि केंद्र 100 रुपए भेजता है।

शिवरात्रि पर्व पर चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज मे बही शिव महिमा की भक्तिमय धारा

अयोध्या। शिवरात्रि पर्व पर शहर के हैदरगंज मोहल्ला स्थित चित्रगुप्त मंदिर परिसर में भगवान शिव के प्राण प्रतिष्ठा के बाद आज शिवरात्रि पर्व को हर्षोल्लास पूर्वक बनाया गया।इस मौके पर कथा वाचक अरविंद व्यास व उनके सहयोगियों द्वारा शिव महिमा का बखान किया गया। इसके साथ ही साथ उन्होंने शिव स्तुति सहित अन्य शिव भजनों को प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय में बना दिया।इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजन चित्रांश सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कृष्ण चन्द्र श्रीवास्तव, शैलेश कुमार श्रीवास्तव वीरेंद्र श्रीवास्तव अमरेश प्रकाश श्रीवास्तव सुरेश चंद्र श्रीवास्तव जगदीश प्रसाद विजय श्रीवास्तव शिव शंकर श्रीवास्तव अनिता श्रीवास्तव नंदिनी श्रीवास्तव सोनी गुप्ता रेनू श्रीवास्तव शशि श्रीवास्तव संजीव कुमार श्रीवास्तव सहित कई चित्रांश बंधु मौजूद रहे।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में फीनिक्स यूनाइटेड लखनऊ कर रहा महिला प्रीमियर लीग का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में फीनिक्स यूनाइटेड, लखनऊ फीनिक्स यूनाइटेड महिला प्रीमियर लीग के सीजन 3 का आयोजन करने जा रहा है। यह टूर्नामेंट शहर के स्कूलों, कॉलेजों और क्लबों की महिला क्रिकेटरों को एक बेहतरीन मंच प्रदान करता आया है। फीनिक्स यूनाइटेड महिला प्रीमियर लीग 4 हफ्ते तक चलने वाला इनडोर क्रिकेट टूर्नामेंट है। इसमें स्कूल, कॉलेज और क्लब तीन कैटेगरी बनाई गई हैं। हर शनिवार और रविवार को तीन हफ्तों तक क्वालीफायर मैच खेले जाएंगे। चौथे वीकेंड में, प्रत्येक समूह की टॉप रैंकिंग टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले होंगे और फाइनल अगले दिन खेला जाएगा। प्रत्येक कैटेगरी की विजेता टीम को पुरस्कार राशि, ट्रॉफी और सभी प्रतिभागी टीमों के सदस्यों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। उप विजेता और द्वितीय उप विजेता टीमों को भी सम्मानित किया जाएगा। फीनिक्स यूनाइटेड ने वर्ष 2022 में महिला दिवस के अवसर पर फीनिक्स यूनाइटेड महिला प्रीमियर लीग की शुरुआत की थी, जो बहुत सफल रही। दूसरे सीजन में पिछले सीजन से भी अधिक 25 स्कूलों, कॉलेजों और क्लबों ने भाग लिया। श्री संजीव सरीन, सीनियर सेंटर डायरेक्टर, फीनिक्स मिल्स का कहना है कि, ष्हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि फीनिक्स यूनाइटेड महिला प्रीमियर लीग का सीजन 3 शुरू होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट शहर की युवा महिला क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारने का एक शानदार मंच है। हम इस बार इसे और भी बड़ा और बेहतर बनाने जा रहे हैं।

शिव शक्ति धाम मंदिर में भक्तो ने पंक्तिबद्ध होकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महाशिव रात्रि के पावन पर्व पर शिव शक्ति धाम मंदिर सुलभ आवास सेक्टर 1 (पानी टंकी) निकट गोमती नगर विस्तार लखनऊ मे सुबह से बड़ी संख्या मे भक्तो ने पंक्तिबद्ध तरीके से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया तत्पश्चात प्रसाद रूप ठंडाई बितरण की गई, भक्तो ठंडाई का आनन्द लिया। इस कार्य क्रम के संयोजक अरबिन्द कुमार दुबे, अनुराग पाण्डेय, कुशल पाण्डेय, आशु पाण्डेय, प्रेम मोहन श्रीवास्तव आदि मंदिर समिति सदस्य उपस्थित रहे।

यू पी फूड एंड सिविल सप्लाईज इंस्पेक्टर्स आफिसर्स एसोसिएशन का द्विवार्षिक अधिवेशन 10 मार्च को लखनऊ में होगा

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। यू पी फूड एंड सिविल सप्लाईज इंस्पेक्टर्स ऑफिसर्स एसोसिएशन का द्विवार्षिक अधिवेशन,चुनाव 10 मार्च को लखनऊ के विश्वेश्वरैया सभागार में आयोजित हो रहा है। यह जानकारी एसोसियेशन के महामंत्री त्रिलोकी नाथ चौरसिया ने राज्य कर्मचारीसंयुक्त परिषद को दिया है।

संयुक्त परिषद की महामंत्री अरुणा शुक्ला ने एक प्रेस विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि यू पी फूड एंड सिविल सप्लाईज इंस्पेक्टर्स ऑफिसर्स एसोसियेशन ने निष्पक्ष चुनाव कराए जाने के लिए राज्य कर्मचारीसंयुक्त परिषद से पर्यवेक्षक नियुक्त करने का अनुरोध किया है। एसोसिएशन के अनुरोध पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण जी दुबे को यू पी फूड एंड सिविल सप्लाईज इंस्पेक्टर्स ऑफिसर्स एसोसिएशन के द्विवार्षिक अधिवेशन एवं चुनाव के लिए संयुक्त परिषद की तरफ से पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। नारायण जी दुबे चुनाव की समस्त प्रक्रिया अपनी निगरानी में कराएंगे एवं राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष को रिपोर्ट करेंगे।

मार्डन ग्रुप ऑफ स्कूल के बच्चों ने किया ऐतिहासिक धरोहर का भ्रमण

अयोध्या। मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल्स के छात्रों ने अपनी शिक्षा के दौरान अयोध्या का ऐतिहासिक धरोहर का भ्रमण कर गौरव अनुभव करने का अवसर प्राप्त किया। भ्रमण में छात्रों ने अयोध्या के प्रमुख/ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा करके उनके महत्व को समझा और इस ऐतिहासिक नगर के सांस्कृतिक और धार्मिक पहलुओं को समर्थन किया। जो उन्हें अपने राष्ट्रीय और सांस्कृतिक विरासत के प्रति समर्पित करने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करता है।भ्रमण में छात्रों ने अयोध्या के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों जिसमें खासकर बहु बेगम का मकबरा,कंपनी गार्डन तथा गुप्तार घाट की यात्रा करके उनके महत्व को समझा और इस ऐतिहासिक

नगर के सांस्कृतिक और धार्मिक पहलुओं को समर्थन किया।यह उन्हें अपने राष्ट्रीय और सांस्कृतिक विरासत के प्रति समर्पित करने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करता है। यह जानकारी देते हुए मॉडर्न ग्रुप आफ स्कूल के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि इस ऐतिहासिक भ्रमण से छात्रों ने आओ देख कर सीखें की प्रेरणा ली।इस मौके पर स्कूल के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव, प्रिंसिपल अनुराग पाठक अध्यापक संयोगिता मिश्रा तथा अटल उपाध्याय एवं वैभव सिंह और स्कूल के बच्चे सम्मिलित रहे।

महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं ने शिवालयों में पहुंचकर पूजा अर्चना और प्रार्थना की

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) जनपद में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने शिव मंदिरों में पहुंच कर पूजा अर्चना की। शहर के बाबा मंदिर सहित अनेक शिवालयों में जाकर शिव भक्तों ने दूध, शहद, गन्ना रस एवं बेलपत्र, पुष्प अर्पित कर प्रसाद चढ़ाया तथा प्रार्थना की। जिले सुप्रसिद्ध सकाहा शिव मंदिर में सुबह चार बजे से ही भक्तों ने देवाधिदेव महादेव के दरबार में मत्था टेका। यहां भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के इंतजाम किए। बेहटा गोकुल थानांतर्गत शिव सत्संग मण्डल आश्रम हुसेनापुर धौकल(मियांपुर) में स्थित सिद्धनाथ बाबा मंदिर पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।यहां आचार्य अशोक ने टोली के साथ रुद्राभिषेक कराया।स्वामी शांतानंद और महात्मा नाहर सिंह ने बताया कि महाशिवरात्रि पर रात भर आश्रम पर ध्यान,भजन और प्रवचन होंगे। मल्लावां में महाशिवरात्रि के चलते शिवभक्तों, कांवरियों द्वारा गंगा जल लाकर भोर से ही बाबा सुनासीर नाथ मंदिर पर जाकर शिवोलग की पूजा की। सुबह से हर–हर महादेव के जयकारों के साथ भक्त मंदिर पहुंचे। मंदिर में लाइन से भक्तों ने मंदिर में प्रवेश किया और फिर किसी ने गंगा जल, बेल पत्र, बेर, जौं, गन्ना, शहद, फूल, धतूरा, भाग से पूजन किया। यहां पर महिला–पुरुष की अलग–अलग लाइन लगवाई गई। इसके अलावा जंगली शिव मंदिर नयागांव, औघड़नाथ मंदिर, प्रेम नरायनेश्वर मंदिर भगवंत नगर, गौरी शंकर महादेव मंदिर भगवंत नगर में विशेष आयोजन किए गए थे। बिलग्राम में बाबा मंशानाथ शिव मंदिर में विशेष भीड़ रही। शिवभक्तों ने सुबह से ही पहुंचना शुरू कर दिया था, जो देर शाम तक जारी रहा। बेलपत्र के साथ धतूरे का फल भी चढ़ाया गया। मंदिर पहुंचने वालों में महिलाओं तथा बच्चों की संख्या ज्यादा रही। सुबह से ही मंदिर में पूजन प्रारंभ हुआ। दोपहर तक मंदिर में भीड़ बढ़ गई। नगर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग यहां पहुंचे और शिवलिंग पर बेल पत्र चढ़ा कर मन्नत मांगी और परिवार के लिए मंगल कामना की। मंदिर पर भक्तों की भीड़ लगी रही। शाहाबाद में वनखंडीनाथ मंदिर और नर्मदा तीर्थ स्थल पर स्थित बाबा टेढ़ेश्वर नाथ मंदिर सहित कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। लोगों ने पूजा अर्चना की और प्रसाद चढ़ाया। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से सी ओ अनुज मिश्र तथा इंस्पेक्टर राजदेव मिश्र सह पुलिस बल के साथ गश्त करते रहे। बावन

गुदरबाड़ी के पास स्थित शिव मंदिर का जीर्णोद्धार होने के बाद रंग रोगन कर शिवरात्रि पर सजाया गया। माधौगंज कस्बे में महाशिवरात्रि पर भक्तों ने गंगा में डुबकी लगा कर शिवालयों में मत्था टेक कर मिन्नतें मांगी। बड़े मंदिर में सुबह से ही शिव भक्तों द्वारा पूजा अर्चना की जाने लगी। मंदिर में भीड़ के कारण भक्तों को इंतजार भी करना पड़ा। बेल पत्र, गन्ना, बेर के साथ अन्य पूजन सामग्री को थाल में सजा कर शिवालयों में पहुंचे।रुदामऊ में शिवलिया, शंकर दयाल मंदिर, बूढ़े बाबा मंदिर, आनंदेश्वर मंदिर सहित गांवों में स्थित मंदिरों पर भी पूजन अर्चन किया गया। कोथावां में क्षेत्र के त्रिदेव शिव मंदिर, पश्चित महादेवन मंदिर सहित भक्तों ने देव देवेश्वर शिव मंदिर पहुंच कर बेलपत्र, धतूरा, फल–दूध सहित अन्य पूजन सामग्री चढ़ाकर बाबा का व्रत रखा। बेनीगंज के पश्चिम महामृत्युंजय शिव कस्बे में स्थित बाबा आदिनाथ, भूतनाथ, विश्वनाथ और तुरंत नाथ शिव मंदिरों में भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में शिव की आराधना की। संडीला में नगर के विभिन्न शिव मंदिरों व शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी तथा पूरा नगर बमभोले के जयकारों से गूंज उठा। नगर के मुहल्ला महतवाना स्थित प्रसिद्ध शिवालय में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। इसके अलावा मुख्य डाकघर स्थित शिव मंदिर, क्रासिंग के पास स्थित शिव मंदिर, शीतला मंदिर परिसर व महाबीरन स्थित शिव मंदिर, रेलवे स्टेशन के निकट स्थित शिव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में पूजा करने वालों का तांता लगा रहा। नगर पालिका के पीछे स्थित जागरण मंदिर में अखंड पाठ समाप्त होने के बाद भंडारा शुरू किया गया। मुहल्ला सुंबाबाग स्थित शिव मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया।

एसिड अटैक सर्वाइवर्स के लिए स्वेज फाउंडेशन इंडिया ने शुरू किया ट्रेनिंग सेंटर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में स्वेज फाउंडेशन इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अहम कदम उठाया है। फाउंडेशन की ओर से एसिड अटैक सर्वाइवर्स को समर्पित चिकनकारी कढ़ाई ट्रेनिंग सेंटर का अनावरण किया गया। सपनों की उड़ान फाउंडेशन के सहयोग से इस सराहनीय पहल का उद्देश्य उन महिलाओं के बीच कौशल विकास और आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाना है, जिन्होंने बेहद नकारात्मक परिस्थितियों का सामना किया है। लखनऊ की मेयर सुश्री सुषमा खरकवाल की मौजूदगी में आंबेडकर पार्क के पास शीरोज कैफे पर इस ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन हुआ। स्वेज फाउंडेशन इंडिया और सपनों की उड़ान फाउंडेशन की ओर से 30 जरूरतमंद और हौंसलों को उड़ान देने वाली महिलाओं को चयनित करने के साथ ही उनको सहयोग दिया गया। समारोह के जरिए उनको नए जीवन की शुरुआत करने में मदद मिली। अपने श्वन सिटी वन ऑपरेटरश मॉडल के तहत स्वेज ने इस प्रभावशाली प्रोजेक्ट का नेतृत्व करने के लिए सपनों की उड़ान फाउंडेशन को चुना। इस दौरान मेयर सुषमा खरकवाल ने कहा कि ष्यह स्वेज फाउंडेशन इंडिया द्वारा एक बहुत अच्छी पहल है, मैं महिला एसिड अटैक सर्वाइवर्स को उनकी आजीविका कमाने में सहायता करने के लिए यह केंद्र खोलने के लिए स्वेज टीम को बधाई देती हूं। मैं इस पहल के लिए सपनों की उड़ान फाउंडेशन को भी

बधाई देती हूं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।